25-04-2022

G-20 समूह

समाचार पत्रों मे क्यों ?

हाल ही में, 'जी-20 फाइनेंस बोफिन सेशन' (G-20 finance boffins session) के दौरान जैसे ही रूसी अधिकारियों ने बोलना शुरू किया, अमेरिकी ट्रेजरी सचिव 'जेनेट येलेन' और पश्चिमी ब्लॉक के उनके अधिकांश समकक्ष जारी सत्र से बाहर चले गए।

त्वरित मुद्दा ?

- इस प्रकार, अमेरिका और इन देशों ने 'यूक्रेन पर मास्को के युद्ध का विरोध करने के लिए' एक प्रकार से रूस का बहिष्कार किया था।
- हालांकि, बहिष्कार करने वाले इन देशों में, इंडोनेशिया, चीन, भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और सऊदी अरब सहित कम से कम दस अन्य देशों के अधिकारी शामिल नहीं हुए थे।
- इन देशों ने, रूसी आक्रमण और इसके द्वारा किए जा रहे युद्ध अपराधों का विरोध करना जारी रखा है।
- इनका कहना है, कि रूस का यूक्रेन पर अवैध आक्रमण 'वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक गंभीर खतरा' है।
- इनकी मांग है, कि रूस को इस प्रकार की बैठकों में भाग नहीं लेना चाहिए या शामिल नहीं करना चाहिए।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ?

- जी-20, विश्व की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाले देशों का समूह है।
- इस समूह इस समूह का विश्व की 85 प्रतिशत जीडीपी पर नियंत्रण है, तथा यह विश्व की दो-तिहाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है।
- जी-20 शिखर सम्मेलन को औपचारिक रूप से 'वित्तीय बाजार तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था शिखर सम्मेलन' के रूप में जाना जाता है।
- वर्ष 1997-98 के एशियाई वित्तीय संकट के बाद, यह स्वीकार किया गया था कि उभरती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली पर चर्चा के लिए भागीदारी को आवश्यकता है। वर्ष 1999 में, G-7 के वित्त मंत्रियों द्वारा जी-20 वित्त मंत्रियों तथा केंद्रीय बैंक गवर्नरों की एक बैठक के लिए सहमती व्यक्त की गयी।
- जी-20 समूह का कोई स्थायी स्टाफ नहीं है और न ही इसका कोई मुख्यालय है। जी-20 समूह की अध्यक्षता क्रमिक रूप से सदस्य देशों द्वारा की जाती है।
- अध्यक्ष देश, अगले शिखर सम्मेलन के आयोजन तथा आगामी वर्ष में होने वाली छोटी बैठकें के आयोजन के लिए जिम्मेदार होता है।
- जी-20 समूह की बैठक में गैर-सदस्य देशों को मेहमान के रूप में आमंत्रित किया जा सकता हैं।
- पूर्वी एशिया में वित्तीय संकट ने समूचे विश्व के कई देशों को प्रभावित करने के बाद जी-20 की पहली बैठक दिसंबर, 1999 में बर्लिन में हुई थी।
- **जी-20 के पूर्ण सदस्य :** अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम,

संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ।

- वैश्वीकरण में वृद्धि और विभिन्न मुद्दों की जटिलता के मद्देनजर, हाल के जी-20 शिखर सम्मेलनों में वृहत् अर्थव्यवस्थाओं और व्यापार पर ध्यान केंद्रित किए जाने के साथ-साथ, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर अत्यधिक प्रभाव डालने वाले - विकास, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा, स्वास्थ्य, आतंकवाद विरोधी, प्रवासन और शरणार्थी जैसे वैश्विक मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।
- जी-20 समूह द्वारा, इन वैश्विक मुद्दों को हल करने की दिशा में अपने योगदान के माध्यम से एक समावेशी और संधारणीय विश्व बनाने का प्रयास किया जाता रहा है।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न - जी-20 के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

(A) अब जी-20 शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों के वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नर ही शामिल हैं

(B) भारत ने कभी भी जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित नहीं किया है

(C) जी-20 का मुख्य उद्देश्य दुनिया से गरीबी को खत्म करना है

(D) इसकी बैठक सालाना आयोजित की जाती है

उत्तर - (C) जी-20 का मुख्य उद्देश्य दुनिया से गरीबी को खत्म करना है

मुख्य परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न-1 - जी-20 पर टिप्पणी लिखिए -

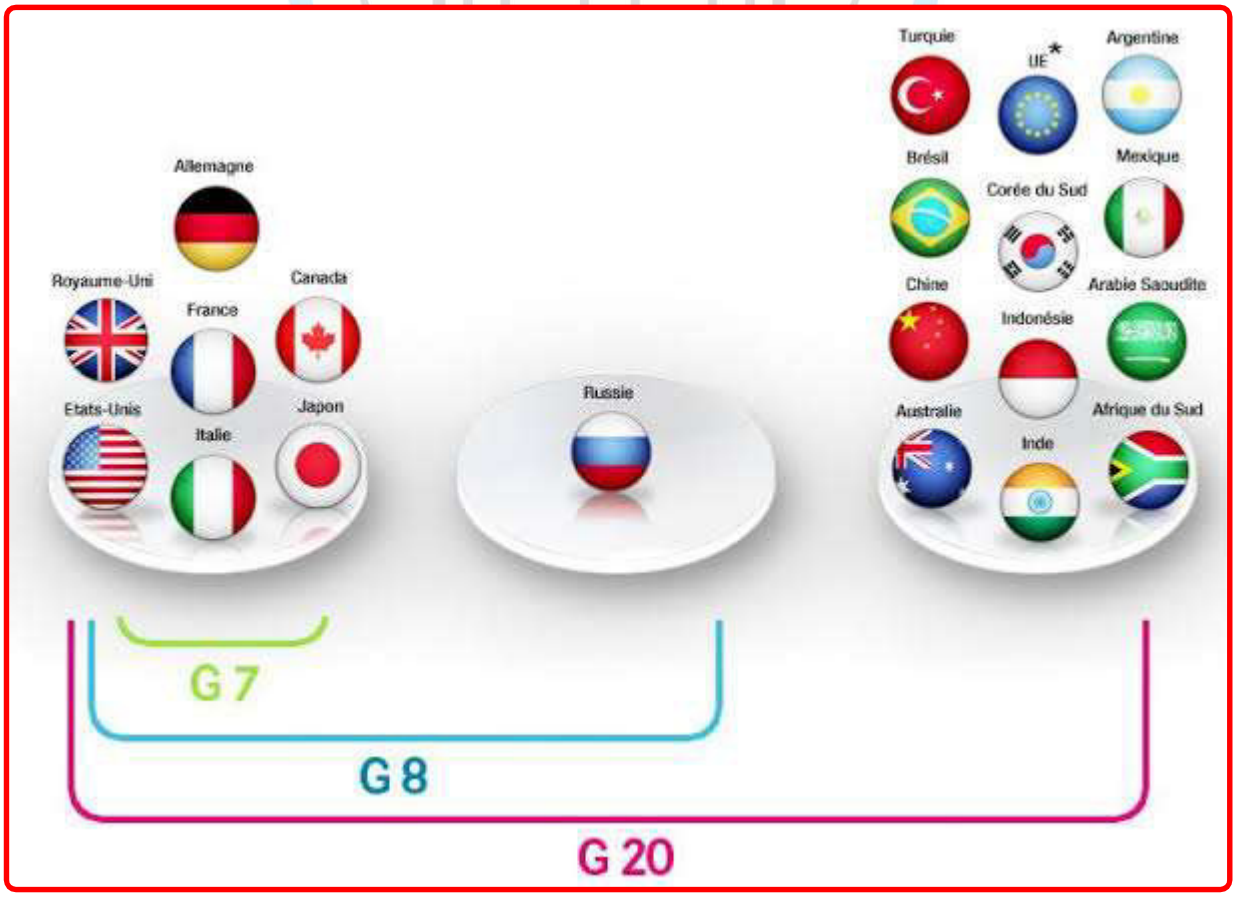

नासा-इसरो का निसार मिशन

समाचार पत्रों मे क्यों ?

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) एवं संयुक्त राज्य अमेरिका के 'राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रशासन' (National Aeronautics and Space Administration – NASA) द्वारा संयुक्त रूप से पृथ्वी के वैज्ञानिक अध्ययन हेतु 'नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार उपग्रह' (NASA&ISRO Synthetic Aperture Radar satellite – NISAR) अर्थात 'निसार' नामक एक उपग्रह मिशन को साकार करने के लिए कार्य किया जा रहा है। NISAR मिशन के वर्ष 2023 में लॉन्च होने की संभावना है।

त्वरित मुद्दा ?

- 'निसार उपग्रह', खतरों और वैश्विक पर्यावरण परिवर्तन के अध्ययन के लिए अनुकूलित है और प्राकृतिक संसाधनों को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, यह जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और इसकी गति को बेहतर ढंग से समझने के लिए वैज्ञानिकों को जानकारी प्रदान कर सकता है।
- यह उपग्रह अपने तीन-वर्षीय मिशन के दौरान प्रत्येक 12 दिनों में पूरे ग्लोब की बारीकी से जांच (Scan) करेगा। यह उपग्रह अपने मिशन के दौरान पृथ्वी पर भूमि, बर्फ की चादर और समुद्री बर्फ की चित्रण कर ग्रह की एक 'अभूतपूर्व' दृश्य प्रदान करेगा।
- यह सेटेइट, टेनिस कोर्ट के आधे आकार के किसी भी क्षेत्र में ग्रह की सतह से 4 इंच की ऊंचाई पर किसी भी गतिविधि का पता लगाने में सक्षम होगा।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ?

- नासा द्वारा इस उपग्रह के लिए रडार, विज्ञान आंकड़ो हेतु हाई-रेट कम्युनिकेशन सब-सिस्टम, जीपीएस रिसीवर और एक पेलोड डेटा सबसिस्टम प्रदान किये जाएंगे।
- इसरों (ISRO) द्वारा स्पेसक्राफ्ट बस, दूसरे प्रकार के राडार (S- बैंड रडार), प्रक्षेपण यान और प्रक्षेपण संबंधी सेवाएं प्रदान की जाएंगी।
- निसार (NISAR) उपग्रह में नासा द्वारा अब तक लॉन्च किया गया सबसे बड़ा रिफ्लेक्टर एंटीना लगाया जाएगा, और इसका मुख्य उद्देश्य, पृथ्वी की सतह पर होने वाले सूक्ष्म परिवर्तनों पर नजर रखना, ज्वालामुखी विस्फोट होने बारे में चेतावनी संकेत भेजना, भूजल आपूर्ति निगरानी में मदद करना और बर्फ की चादरों के पिघलने की 'दर' का पता लगाना है।

अन्य प्रमुख तथ्य ?

निसार (NISAR)

- नासा - इसरो सिंथेटिक एपर्चर राडार या निसार मिशन (NASA - ISRO Synthetic Aperture Radar or NISAR) दोहरी आवृत्ति वाले सिंथेटिक एपर्चर रडार उपग्रह को विकसित करने और लॉन्च करने के लिए नासा और इसरो के बीच एक संयुक्त परियोजना है।

- निसार (NISAR), 'नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार [NASA - ISRO Synthetic Aperture Radar Satellite (SAR)] का संक्षिप्त रूप है। नासा द्वारा 'सिंथेटिक एपर्चर रडार' का उपयोग पृथ्वी की सतह में होने वाले परिवर्तन को मापने हेतु किया जाएगा।
- सिंथेटिक एपर्चर रडार (SAR), मुख्यत: उच्च विभेदन छवियां (High - Resolution Images) खीचने की तकनीक को संदर्भित करता है। उच्च सटीकता के कारण, यह रडार, बादलों और अंधेरे को भी भेद

सकता है, अर्थात यह किसी भी मौसम में चौबीसो घंटे आंकड़े एकत्र करने में सक्षम है।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न – नासा का पहला मानव मिशन कौन सा था?

(A) PQS-5 (B) अपोलो–सोयुज

(C) STS-1 (D) बेल एक्स–1

उत्तर – (C) STS-1

प्रश्न – नासा ने सूर्य के लिए अपना पहला मिशन कब शुरू किया?

(A) 2016 (B) 2017

(C) 2018 (D) इनमे से कोई नही

उत्तर – (C) 2018

मुख्य परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न–1 – निसार मिशन पर एक टिप्पणी लिखिए।

□□□□□